

प्रेषक,

डॉ० भूपिन्दर कौर औलख,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

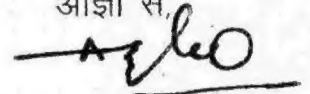
निदेशक,  
खेल निदेशालय,

संख्या- 633/VI/2018-23(1)/2018-टी0सी0 तददिनाक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम एवं खेल और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. सचिव, महामहिम श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
3. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
4. निजी सचिव, मा0 खेल मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
5. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव/प्रभारी सचिव उत्तराखण्ड शासन।
7. सचिव, गोपन (मंत्रिपरिषद्) अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. आयुक्त कुमांऊ मण्डल, नैनीताल एवं गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
9. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड द्वारा निदेशक।
10. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड द्वारा निदेशक।
11. समस्त राज्य खेल संघ-द्वारा निदेशक।
- ✓ 12. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. महानिदेशक, सूचना, उत्तराखण्ड।
14. गार्ड फाईल।

आज्ञा से



(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव।

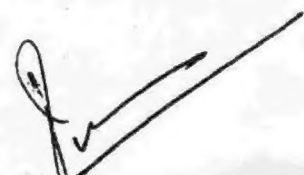
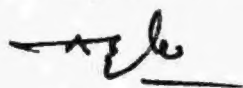
उत्तराखण्ड राज्य में गठित सभी खेल संघों द्वारा (स्पोर्ट्स कोड) राष्ट्रीय खेल विकास संहिता-2011 का अनुपालन किये जाने सम्बन्धी दिशा-निर्देश

1. भूमिका

- 1.1 खेलों का विकास एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, क्योंकि इससे न केवल सक्रिय जीवन शैली बल्कि बाल एवं युवा विकास, समावेशी सामाजिकता एवं राष्ट्रीय सम्मान में भी उन्नयन होता है। खेल मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण विषय है। यह शारीरिक व्यायाम अथवा शौक ही नहीं है वरन् यह जीवन के विविध आयामों को आच्छादित करता है।
- 1.2 खेल एक राज्य सूची का विषय है अतएव खेलों के विस्तार, उन्नयन एवं कुशल प्रबंधन राज्य सरकार का दायित्व है। केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 जारी की गई है, जो राष्ट्रीय स्तर की खेल से जुड़ी संस्थाओं के नियमन एवं नियंत्रण से संबंधित है। राज्य में खेलों के कुशल प्रबंधन हेतु यह आवश्यक है कि राज्य स्तर पर स्थापित खेल संघों का नियमन एवं उन पर नियंत्रण स्थापित किया जाये। केन्द्र सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय खेल विकास कोड 2011 के क्रम में राज्य सरकारों से अपेक्षा की गई है, कि वे इस संहिता के आलोक में राज्य में खेलों के कुशल प्रबंधन, नियमन एवं नियंत्रण हेतु नियम व दिशा-निर्देश जारी करें।
- 1.3 प्रत्येक राज्य में खेलों के संचालन हेतु खेल विभाग अथवा खेल प्राधिकरण आदि स्थापित हैं एवं खेलों में विधावार राज्य खेल संघ एवं राज्य ओलम्पिक संघ उपस्थित होते हैं, जो खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन, प्रशिक्षण के साथ खेल विशेष के क्षेत्र में कार्य करते हैं।
- 1.4 सरकार के खेल विभाग एवं राज्य खेल संघों एवं राज्य ओलम्पिक संघ के मध्य समन्वय होना अति आवश्यक है। खेल मात्र शारीरिक प्रशिक्षण से ही नहीं जुड़ा होता बरन् शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन आदि भी खेलों से जुड़े होते हैं। अतः राज्य सरकार का दायित्व खेलों के कुशल प्रबंधन एवं नियंत्रण में और बढ़ जाता है। खेलों के नियमन एवं नियंत्रण हेतु समीचीन होगा कि राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 में वर्णित महत्वपूर्ण प्रावधानों का राज्य में भी लागू किया जाये। मुख्यतया इनमें खेल संघों के नियमन एवं नियंत्रण से संबंधी प्रावधान हैं।

2. परिचय

- 2.1 खेल और क्रीडा, मानव संसाधन विकास का अनिवार्य हिस्सा है। सरकार द्वारा खेलों के विकास एवं खेलों में उत्कृष्टता को बहुत अधिक महत्व दिया जा रहा है। सरकार का यह प्रयास रहा है कि वह खेलों से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के मध्य समन्वयन हेतु प्रक्रियाओं को निर्धारित करें। संस्थाओं के प्रबंधन में कुशल एवं पारदर्शी व्यवस्था हेतु नियमन करें एवं खिलाड़ियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आधारभूत सुविधाओं, प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाओं का विस्तार करें।
- 2.2 खेलों के उन्नयन के लिए आवश्यक है कि निम्न सिद्धान्तों पर कार्य किया जाये-
- (i) राज्य खेल संघ एवं सरकार के मध्य स्पष्ट भूमिका।
  - (ii) सरकारी सहायता की पात्रता निर्धारित करने हेतु खेलों की प्राथमिक, सामान्य एवं अन्य श्रेणी में वर्गीकृत करना।
  - (iii) दीर्घकालीन खेल विकास योजना तैयार करना।





- (IV) राज्य खेल संघों के प्रशासकीय एवं वित्तीय प्रबंधन पर जोर देना।  
(V) खिलाड़ियों की शिकायतों के निवारण हेतु प्रणाली विकसित करना।

3. पृष्ठभूमि

- 3.1 केन्द्र सरकार द्वारा खेलों के उन्नयन हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 जारी की है। माननीय न्यायालयों द्वारा भी खेलों में खेल संघों की भूमिका को लेकर निर्णय दिये हैं। चूंकि खेल संघ राष्ट्र अथवा राज्य का नाम अपने नाम में सम्मिलित करते हैं, इससे ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य द्वारा इन्हें संरक्षण प्रदान किया गया है। अतएव राज्य का नाम प्रयोग करने वाले खेल संघों पर राज्य हित में नियंत्रण एवं उनका नियमन किया जाना आवश्यक है। राज्य कल्याणकारी राज्य की अवधारणा पर कार्य करता है। अतः राज्य का दायित्व है कि सभी वर्गों का कल्याण हो एवं न्याय हो। उक्त के दृष्टिगत खेल संघों को भी पारदर्शी एवं कुशल प्रबंधनीय प्रणाली अपनानी होगी। राज्य का यह कर्तव्य है कि वे खेल संघों हेतु दिशा-निर्देश जारी करें।
- 3.2 राज्य खेल संघ व अन्य संस्थान राज्य की खेल अवस्थापना सुविधाओं व विभाग द्वारा दी जा रही अन्य सुविधाओं की प्रयो करते हैं एवं राज्य की ओर से राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर करते हैं, इससे राज्य की प्रतिष्ठा पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में राज्य की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। राज्य को खेल संघों एवं अन्य संस्थानों के कुशल प्रबंधन हेतु दिशा-निर्देश दिया जाना राज्य हित का कार्य है।

4. उद्देश्य

- 4.1 राज्य में खेलों का स्वस्थ वातावरण बनाने एवं खेलों के प्रबंधन में कुशल, सुचारु एवं पारदर्शी व्यवस्था का निर्माण करना।
- 4.2 राज्य में खेलों के उन्नयन हेतु खेल से जुड़ी संस्थाओं को सहायता उपलब्ध कराना।
- 4.3 राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखण्ड राज्य को खेलों के क्षेत्र में अग्रणी बनाना।
- 4.4 पात्र खेल संघ की पहचान करना, प्राथमिकतायें निर्धारित करना, खेल संघों हेतु प्रक्रियाओं को निर्धारित करना आदि।


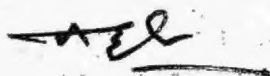
5. खेल विभाग, राज्य खेल संघों की भूमिका एवं जिम्मेदारी

A खेल विभाग

- (I) राज्य स्तरीय खेल संघों की मान्यता एवं पंजीकरण हेतु पात्रता एवं शर्तों का निर्धारण।
- (II) उन शर्तों का निर्धारण करना, जिनको पूरा करने के उपरान्त राज्य खेल संघ व अन्य संस्थान सरकारी सहायता प्राप्त करने योग्य बन सकें।
- (III) राज्य खेल संघों में कुशल, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक प्रबंधकीय प्रणाली विकसित करना।
- (V) राज्य में खेलों के उन्नयन हेतु लघु एवं दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम का संचालन करना।

B राज्य खेल संघ—

राज्य खेल संघ उस खेल हेतु, जिनके लिए उसे संबंधित राष्ट्रीय खेल संघ से मान्यता प्राप्त है, के प्रबंधन, निदेशन, नियंत्रण, विनियमन, प्रचार-प्रसार, विकास एवं प्रायोजक के लिए पूरी तरह से उत्तरदायी एवं जिम्मेदार होंगे। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के साथ ओलम्पिक चार्टर में





वर्णित सिद्धान्तों, भारतीय ओलम्पिक संघ के चार्टर, संबंधित राष्ट्रीय खेल संघ के संविधान एवं केन्द्र सरकार द्वारा विशेष दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

#### 6. खेलों का वर्गीकरण

6.1 केन्द्र सरकार की भांति ही राज्य सरकार द्वारा खेल विधाओं के वर्गीकरण हेतु गतिशील मापदण्ड अपनाया जायेगा, जो खेल विधाओं में मान्यता प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय खेल आयोजनों में प्रदर्शन के आधार पर होगा, जिसके आधार पर मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघों को बेहतर तैयारी हेतु और अधिक प्रेरित किया जा सके।

6.2 दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम चक्र 04 वर्ष का होगा एवं इस चक्र की समाप्ति उपरान्त खेलों के वर्गीकरण का पुनर्मूल्यांकन किया जायेगा। खेल विभाग खेलों के वर्गीकरण हेतु समय-समय पर दिशा-निर्देश जारी करेगा, जिससे पारदर्शिता आदि सुनिश्चित बनी रहें।

#### 7. खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा राज्य खेल संघों को मान्यता एवं पंजीकरण

##### 7.1 राज्य खेल संघों को मान्यता एवं पंजीकरण

7.1.1 इसका उद्देश्य राज्य खेल संघों द्वारा बुनियादी मानकों, मानदण्डों प्रक्रियाओं आदि का पालन करना एवं उनके क्रियाकलापों में उन सिद्धान्तों एवं उद्देश्यों का पालन कराना है, जो संबंधित राष्ट्रीय खेल संघ/परिसंघ द्वारा प्रतिपादित किये गये हो और जो अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक चार्टर के सिद्धान्तों, भारतीय ओलम्पिक संघ के संविधान द्वारा वर्णित हो एवं सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप हों।

7.1.2 राज्य खेल संघ, जो सरकार से मान्यता एवं पंजीकरण चाहते हैं, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया अधीन आवेदन देना होगा। आवेदन पर विचार करते समय विभाग अन्य बातों के साथ निम्नलिखित तथ्यों को भी संज्ञान में लेगा-

- (i) संस्था की वर्तमान कानूनी स्थिति।
- (ii) राष्ट्रीय खेल संघ/परिसंघ से मान्यता।
- (iii) राज्य ओलम्पिक संघ से ओलम्पिक खेल के संबंध में मान्यता।
- (iv) राज्य में शीर्ष निकाय के रूप में निर्विवाद स्थिति।

(v) पूरे राज्य में फैलाव।

(vi) राज्य में खेल के विकास एवं विस्तार में संस्था की भूमिका एवं योगदान।

(vii) सभी आयुवर्गों एवं लिंगों हेतु राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन।

(viii) वित्तीय एवं प्रबंधनीय जवाबदेही।

(ix) निष्पक्ष, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक निर्वाचन।

(x) आयु एवं कार्यकाल सीमा संबंधी दिशा-निर्देश का पालन।

(xi) खिलाड़ियों के हितों एवं कल्याण को संरक्षण प्रदान करना।

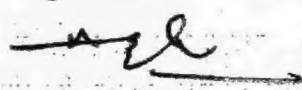
7.1.3 गैर ओलम्पिक/गैर कॉमनवेल्थ/गैर एशियाई खेलों के राज्य खेल संघों को सरकारी मान्यता एवं पंजीकरण संबंधी आवेदन पर विचार करते निम्न अतिरिक्त मानदण्डों को संज्ञान में लिया जायेगा-

(i) लोकप्रिय स्वदेशी खेल, जिसका प्रसार सम्पूर्ण प्रदेश में हो

(ii) लोकप्रिय स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयी खेल।

(iii) ऐसे खेल, जिन्हें मुख्य अन्तर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में सम्मिलित किये जाने की संभावना हो।

(iv) आवश्यक बुनियादी ढांचे की उपलब्धता।





(V) कोच की उपलब्धता।

7.2 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण की निरन्तरता

- 7.2.1 राज्य खेल संघ को सरकारी सहायता के लिए आवश्यक है कि संस्था खेल विभाग एवं राष्ट्रीय खेल संघ/परिसंघ के साथ भी मान्यता बनाये रखे।
- 7.2.2 लोकतांत्रिक, स्वस्थ एवं उचित प्रबंधकीय प्रणालियों का पालन करना, जो सभी स्तरों पर अधिक जवाबदेही एवं पारदर्शिता प्रदान करते रहें।
- 7.2.3 सभी खेल विभाग द्वारा मान्यता एवं पंजीकरण प्राप्त राज्य खेल संघ पदाधिकारियों के निर्धारित कार्यकाल की सीमा का पालन करते रहे।

7.3 पात्रता की शर्तें

- 7.3.1 राज्य खेल संघ को मालिकाना संस्था या भागीदार फर्म के रूप में न होकर एक स्वैच्छिक पंजीकृत निकाय के रूप में कानूनी दर्जा प्राप्त होना चाहिए और उसे उस खेल विधा, जिससे यह संबंधित है, के विकास के एकमात्र प्रयोजन के लिए कार्य करना चाहिए।
- 7.3.2 राज्य खेल संघ का सुस्पष्ट विस्तृत लिखित संविधान होना चाहिए, जिसमें विशेषकर पदाधिकारियों के निर्वाचन के संबंध में कारगर कार्यकरण, जनरल बॉडी का सही मायनों में प्रतिनिधिक स्वरूप, खिलाड़ियों के हितों की सुरक्षा, खेलों के संवर्धन, लेखों के रख-रखाव और ऑडिट, अविश्वास प्रस्ताव लाने का प्रावधान हो।
- 7.3.3 राज्य खेल संघ 03 वर्ष से अधिक अवधि के लिए सक्रिय रूप से अस्तित्व में होना चाहिए। संघ द्वारा अपने संविधान में वर्णित सभी बैठकों को ससमय आयोजित किया गया हो।
- 7.3.4 राज्य खेल संघ में अध्यक्ष, सचिव/महासचिव (जैसा भी नाम हो) और कोषाध्यक्ष पदाधिकारी हैं। राज्य खेल संघ का कोई भी पदाधिकारी भारतीय ओलम्पिक संघ/राज्य ओलम्पिक संघ को छोड़कर एक ही समय में किसी अन्य राज्य खेल संघ का पदाधिकारी नहीं होगा। अध्यक्ष, सचिव/महासचिव और कोषाध्यक्ष की आयु और कार्यकाल की शर्तें इस प्रकार हैं—

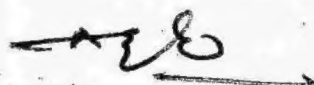
- (a) अध्यक्ष ब्रेक के साथ या बिना ब्रेक के तीन बार के लिए पद धारण कर सकता है।
- (b) सचिव और कोषाध्यक्ष लगातार दो कार्यकाल के लिए पद धारण कर सकते हैं, जिसके बाद पुनः निर्वाचित होने के लिए 04 वर्षों की कूलिंग ऑफ अवधि का होना आवश्यक है।
- (c) यह तीनों पदाधिकारी 70 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर अपने पद का त्याग कर देंगे।

- 7.3.5 कोई भी सरकारी कर्मचारी सरकार की पूर्व अनुमति के बिना खेल संघ में निर्वाचित पद धारण नहीं करेगा अथवा किसी निकाय में, चाहे निगमित हो या नहीं, में निर्वाचित पद के लिए किसी उम्मीदवार अथवा उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं करेगा। इसके अलावा किसी भी सरकारी कर्मचारी को किसी खेल संघ में 04 वर्ष से अधिक कार्यकाल के लिए या एक कार्यकाल, जो भी कम हो, पद धारण करने की अनुमति नहीं होगी। कार्यकाल गणना हेतु राज्य खेल संघ में पूर्व में निर्वाचित पद पर किये गये कार्यकाल को भी संज्ञान में लिया जायेगा।





- 7.3.6 भारत सरकार/ राज्य सरकार के अधीन खेल विभाग और इसके प्रशासकीय नियंत्रण वाले निगमों/इकाईओं/संगठनों के अधिकारियों या अन्य कर्मचारियों का खेल परिसरों/संघों में कोई निर्वाचित पद धारण करना वर्जित है।
- 7.3.7 राज्य खेल संघ द्वारा लेखा का मर्केंटाइल सिस्टम प्रयोग में लाया जाना चाहिए। लेखा नियमित रूप से रखा जाना चाहिए एवं पंजीकृत चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट द्वारा वार्षिक रूप से लेखा परीक्षा की जानी चाहिए।
- 7.3.8 राज्य स्तर पर खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा एक ही मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत राज्य खेल संघ होगा एवं केवल खेल विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ ही सरकारी सहायता प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। राज्य खेल संघों को राज्य के 50 प्रतिशत जिला संघों को संबद्ध करना आवश्यक होगा।
- 7.3.9 राज्य खेल संघों द्वारा सदस्यता जिला इकाइयों तक सीमित रखी जायेगी। यदि संघ द्वारा किसी व्यक्तिगत क्लब अथवा व्यक्ति को विशेष सदस्यता जारी की है, तो ऐसे सदस्यों को संघ की बैठक में मताधिकार प्राप्त नहीं होगा।
- 7.3.10 राज्य खेल संघ द्वारा सरकार को आम सभा की बैठक एवं अन्य बैठक, जिनमें महत्वपूर्ण निर्णय लिये जाने हो अथवा बैठक, जिनमें पदाधिकारियों का निर्वाचन होना है, की सूचना बैठकों के आयोजन से पर्याप्त समय पूर्व देनी होगी। जब भी सरकार उचित समझेगी तब सरकार इन बैठकों हेतु अपना पर्यवेक्षक भेजेगी।
- 7.3.11 प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के तत्काल उपरान्त खेल संघ अपना लेखा तैयार करेंगे एवं वार्षिक रिपोर्ट बनायेंगे, जिसमें सालभर में की गई महत्वपूर्ण गतिविधियों का उल्लेख होगा। राज्य खेल संघ लेखा परीक्षा हेतु चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट की तैनाती करेंगे। संघ के रिकॉर्ड एवं खाते सरकार के लिए पहुंच योग्य होंगे एवं जब कभी सरकार द्वारा इन्हें मांगा जाएगा, तो संघ द्वारा इन्हें सरकार को प्रस्तुत करना होगा।
- 7.3.12 राज्य खेल संघ स्वायत्त होने चाहिए एवं किसी भी प्रकार के दबाव चाहे राजनीतिक, धार्मिक, नस्लीय अथवा आर्थिक प्रकृति के हों, का विरोध करना चाहिए।
- 7.3.13 राज्य खेल संघों को वर्ष में कम से कम एक बार आमसभा की बैठक बुलानी चाहिए।
- 7.3.14 राज्य खेल संघ में उत्कृष्ट योग्यता के खिलाड़ियों को सदस्य के रूप में कार्यकाल आधार पर शामिल करना चाहिए। इन सदस्यों को मताधिकार प्राप्त होगा। इनकी संख्या कुल सदस्यों में न्यूनतम 25 प्रतिशत होनी चाहिए। इन सदस्यों का चयन विभाग की सलाह पर किया जा सकता है।
- 7.3.15 राज्य खेल संघों द्वारा सरकार द्वारा जारी निर्देशों के साथ भारत सरकार द्वारा जारी डोप-रोधी संहिता, आयु धोखाधड़ी रोकथाम संहिता, टीम में चयन के लिए नागरिकता मानदण्ड, यौन उत्पीड़न रोकथाम संहिता का पूर्ण पालन किया जायेगा।
- 7.4 आवेदन
- 7.4.1 राज्य सरकार से मान्यता एवं पंजीकरण हेतु आवेदन निर्धारित प्रारूप पर खेल विभाग, उत्तराखण्ड सरकार को प्रस्तुत करना होगा। पूर्ण आवेदन पत्र के साथ समस्त वांछित अभिलेखों की सत्यापित अथवा सत्य प्रतिलिपि संलग्न किया जाना आवश्यक होगा।
- 7.4.2 अन्य कोई ऐसी जानकारी, जो कि मान्यता एवं पंजीकरण के लिए आवश्यक हो, आवेदन पत्र के साथ प्रेषित की जानी चाहिए। किसी तथ्य को छुपाया नहीं जाना चाहिए। भविष्य में उस तथ्य के बारे में पता चलने पर मान्यता निलम्बित या समाप्त की जा सकती है।







7.5 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा मान्यता एवं पंजीकरण प्रदान किया जाना

7.5.1 राज्य खेल संघ को मान्यता एवं पंजीकरण खेल संघ का अधिकार न होगा वरन् यह खेल विभाग के विवेक पर निर्भर होगा कि संघ मान्यता एवं पंजीकृत किये जाने योग्य है अथवा नहीं। यदि विभाग को यह संतुष्टि हो जायेगी कि राज्य खेल संघ द्वारा समस्त नियम व शर्तें पूर्ण की जा रही है, तो वह राज्य खेल संघ को मान्यता एवं पंजीकरण प्रदान कर सकता है।

7.6 सामान्य

7.6.1 समस्त पत्राचार राज्य खेल संघ द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में उल्लेखित पते पर किए जाएंगे, यदि पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होता है तो शीघ्र ही इसकी जानकारी लिखित में उत्तराखण्ड सरकार को देनी होगी।

7.6.2 राज्य खेल संघ खेल विभाग उत्तराखण्ड द्वारा समय समय पर जारी दिशानिर्देशों के अधीन होंगे।

7.7 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण का निलम्बन/रद्दीकरण

7.7.1 निलम्बन

जब राज्य राज्य खेल संघ के कामकाज में कोई गम्भीर अनियमितता का पता चलेगा तो उस खेल संघ की मान्यता एवं पंजीकरण अन्तरिम कार्यवाही के रूप में जांच पूर्ण होने तक निलम्बित कर दी जायेगी। निलम्बन के आधार निम्नवत होंगे:-

- राष्ट्रीय खेल संघ/परिसंघ द्वारा किसी भी आधार पर निलम्बन की स्थिति में।
- राज्य ओलम्पिक संघ द्वारा निलम्बित किए जाने की स्थिति में।
- संबंधित रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटी अथवा अन्य विधिक प्राधिकरण द्वारा राज्य खेल संघ पर विधिक कार्यवाही किए जाने की स्थिति में।
- वार्षिक लेखा परीक्षण की सूचना न दिए जाने की स्थिति में।
- सरकारी सहायता के दुरुपयोग अथवा अनाधिकृत प्रयोग की स्थिति में।
- विभाग द्वारा मांगी गई सूचना न उपलब्ध कराने की स्थिति में।
- उन शर्तों का पालन न करने की स्थिति में जिनके आधार पर मान्यता प्रदान की गई है।
- सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश के पालन न किए जाने की स्थिति में।
- रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटी द्वारा यह आख्या प्राप्त होने की स्थिति में कि राज्य खेल संघ द्वारा अपनी आन्तरिक प्रबन्धन में गम्भीर अनियमितता की जा रही है।
- राज्य खेल संघों के संविधान के अनुसार निर्धारित एवं सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप पदाधिकारियों के निर्वाचन न करवाना अथवा निर्वाचन प्रक्रिया में पर्याप्त अनियमितता की दशा में।
- जनहित में किसी अन्य गम्भीर अनियमितता के बारे में पता चलने की स्थिति में

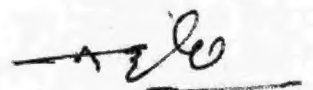
7.7.2 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण का रद्दीकरण

खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण का निम्नलिखित आधार पर रद्द किया जा सकता है:-

- जब यह गलत तथ्यों, सूचनाओं एवं अन्य गलत माध्यम से प्राप्त किया गया हो।
- जब सरकार द्वारा जारी शर्तों, समय समय पर जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन अथवा खेल संघ द्वारा अपने ही संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया हो।



- iii. जब राज्य सरकार को यह विश्वास हो जाए की राज्य खेल संघ उस खेल के हित में कार्य नहीं कर रहा है जिस खेल हेतु उसे राज्य संघ के रूप में मान्यता प्रदान की गई हो।
  - iv. ऐसी जांच के उपरान्त जिसमें राज्य खेल संघ की कार्यप्रणाली में गंभीर अनियमितता पायी गयी हो।
  - v. जब राज्य खेल संघ को संबंधित राष्ट्रीय खेल संघ/परिसंघ द्वारा स्थायी रूप से अमान्य अथवा अपने से अलग कर दिया गया हो।
- 7.7.3 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण के रद्दीकरण से पूर्व संबंधित राज्य खेल संघ को अपना पक्ष प्रस्तुत करने के उचित अवसर प्रदान किए जाएंगे।
- 7.8 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण रद्दीकरण के प्रभाव
- 7.8.1 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण समाप्त किए जाने के पश्चात् उक्त संघ को किसी प्रकार की सरकारी सहायता उपलब्ध नहीं करायी जाएगी और न ही वे खेल संबंधी सरकारी अवस्थापना सुविधाओं का प्रयोग कर पाएंगे।
- 7.8.2 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण समाप्त होने के उपरान्त वे अपने नाम में उत्तराखण्ड शब्द का प्रयोग करने के अधिकारी नहीं होंगे।
- 7.8.3 खेल विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जारी मान्यता एवं पंजीकरण समाप्त होने के उपरान्त खेल संघ संबंधित खेल विधा हेतु कार्य नहीं कर पाएंगे। उन्हें उनके खेल को राज्य में नियमित एवं नियन्त्रण करने का अधिकार, राज्य टीम चयन करने का अधिकार एवं राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अधिकार नहीं होगा।
8. राज्य टीम चयन प्रक्रिया
- 8.1 राज्य खेल संघ राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं हेतु राज्य की टीम के चयन हेतु अपनायी जा रही प्रक्रिया एवं चयन ट्रायल/प्रतियोगिताओं की पूर्व सूचना खेल विभाग, उत्तराखण्ड को देंगे। विभाग यदि उचित समझेगा, तो उक्त चयन ट्रायल/ प्रतियोगिता हेतु पर्यवेक्षक तैनात करेगा।



(अतर सिंह)  
संयुक्त सचिव।